सूखा : करें और न करें

Drought / Dry spell : Dos and Don'ts

करने योग्य Dos

- चेतावनी, अपडेट और निर्देशों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचार पत्र पढ़ें।
  Listen to radio, watch TV and read newspapers for warnings, updates and instructions.
- वर्षा जल संचयन का अभ्यास करें
  Practice rainwater harvesting.
- बरसात के मौसम से पहले स्थानीय जल निकायों की मरम्मत और कायाकल्प करें।
  Repair and rejuvenate local water bodies before the rainy season.
- भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए गहरे गड्ढों की खुदाई करें।
  Excavate deep pits to help increase groundwater table.
- जल संरक्षण कार्यक्रमों में भाग लें।
  Participate in water conservation programmes.
- उपयोग किए गए घरेलू पानी को घास और पौधों को पानी देकर पुर्न उपयोग में लाएं।
  Put used domestic water to use by watering grasses and plants.
- नहाने के लिए शॉवर की जगह बाल्टी का इस्तेमाल करें।
  Use a bucket instead of a shower for bathing.
- बहते पानी का उपयोग करने के बजाय फर्श को रगड़कर साफ करने के लिए गीले कपड़ों का प्रयोग करें।
  Use wet clothes to clean and scrub floors instead of using running water.
- ऐसे शौचालयों का निर्माण करें जिनमें फ्लशिंग के लिए कम पानी की आवश्यकता हो।
  Construct toilets that need less water for flushing.
- रिसाव को रोकने के लिए नियमित रूप से टैंक, नल आदि की जांच करें।
  Regularly check tanks, taps etc. to prevent leakage.
- यथा संभव जल का पुर्न उपयोग करें।
  Reuse water as much as possible.
- जीवन शैली में जल संरक्षण प्रथाओं को अपनाएं। पानी के उपयोग पर सभी राज्य और स्थानीय प्रतिबंधों का पालन करें, भले ही आपके पास निजी जल स्रोत हो (भूजल का स्तर सूखे से भी प्रभावित होता है)।
  Adapt water conservation practices in lifestyle. Follow all state and local restrictions on water use, even if you have a private water source (groundwater levels are affected by drought too).
- सुबबुल, सीमारूबा, कैसुरिना के साथ वनरोपण को प्रोत्साहन।
  Encouragement of afforestation with Subabul, Seemaruba, Casurina.
- जेट्रोफा और पोंगोमिया जैसे जैव डीजल बागानों को बढ़ावा देना।
  Promotion of bio diesel plantations like jetropha and pongomia.

न करने योग्य Don'ts

- पानी की बर्बादी कतई न करें।
  Do not waste water at all.
- पेड़ और जंगल न काटें ।
  Do not cut trees and forests.
- छतों आदि पर एकत्रित वर्षा जल को व्यर्थ न बहाएं।
  Do not waste rainwater collected on rooftops etc.
- पारंपरिक जल स्रोतों जैसे तालाबों, एनीकटों, कुओं, टैंकों आदि के साथ नष्ट न करें।
  Do not mess with traditional water sources such as ponds, annicuts, well, tanks etc.
- ब्रश करने, शेविंग करने, बर्तन धोने, कपड़े आदि धोने के दौरान बहते पानी का प्रयोग न करें।
  Do not use the flowing water during brushing, shaving, washing utensils, clothes, etc.
- किसी भी घरेलू काम के लिए हैंडहेल्ड होज़ के इस्तेमाल से बचें।
  Avoid using handheld hose for any domestic chores.

कृषि में सूखा/शुष्क काल के लिए करें और न करें
Dos and Don'ts for Drought/Dry spell in Agriculture

करने योग्य Dos

- वर्षा जल संचयन करें। खेत के तालाब, सामुदायिक टैंक, वाटरशेड और पूल जैसी जल संचयन प्रथाएं जीवन रक्षक साबित हो सकती हैं।
  Undertake rainwater harvesting. Water harvesting practices like farm ponds, community tanks, watersheds and pools can prove a life saver.
- बरसात के मौसम से पहले स्थानीय जल निकायों की मरम्मत और कायाकल्प।
  Repair and rejuvenate local water bodies before the rainy season.
- सूखा प्रतिरोधी/कम पानी की आवश्यकता वाली फसल किस्मों/पौधों का प्रयोग करें।
  Use drought-resistant / low water requiring crop varieties / plants.
- मिट्टी की नमी की रक्षा के लिए सूखा-सहिष्णु घास, झाड़ियाँ, पेड़ लगाएं।
  Plant drought-tolerant grasses, shrubs, trees to protect soil moisture.
- सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर विधि/ड्रिप सिंचाई विधि का प्रयोग करें, शाम के समय फसलों की सिंचाई करें।
  Use sprinkler method/drip irrigation method for irrigation, irrigate crops during evenings.
- जल संरक्षण के मापदंड का उपाय करें ।
  Undertake water conservation measures.
- उपलब्ध जल संसाधनों से सिंचाई सुविधाओं की व्यवस्था करें।
  Arrange for irrigation facilities from available water resources.

- खेतों से खरपतवार हटा दें । पानी के नुकसान से बचने के लिए उन खरपतवारों का उपयोग मल्चिंग के लिए किया जा सकता है। मिट्टी की नमी को संरक्षित करने खरपतवार हटायें, मिट्टी की सतह की पपड़ी को तोड़े गीली घास से नमी को बचाने के लिए निराई या इंटरकल्चर संचालन करें।

  Remove the weeds from fields. Those weeds can be used for mulching to avoid water loss. Take up hoeing or intercultural operations to make soil dust mulch to conserve soil moisture, remove weeds and break soil surface crust.
- उपयुक्त फसल पैटर्न के साथ मौसम के दौरान मानसून के देर से आने/सूखी अवधि के मामले में आकस्मिक योजना तैयार करें।

  Prepare contingency plan in case of late onset of monsoon / dry spells during the season with appropriate cropping pattern.
- सूखा प्रभावित क्षेत्रों में कम अवधि वाली और अपेक्षाकृत कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है; कम अवधि की किस्मों वाले बीजों की उपलब्धता की व्यवस्था करें ।

  Crops with short duration and requiring relatively little water need to be encouraged in drought-prone areas; arrange availability of seeds with short duration varieties.
- गुणवत्तापूर्ण बीजों के भंडारण की व्यवस्था तत्काल वितरण के लिए अग्रिम रूप से करें।

  Arrange stocking of quality seeds, well in advance for immediate distribution.
- किसान मल्चिंग, खरपतवार नियंत्रण, इंटरकल्चरल ऑपरेशंस आदि जैसी प्रथाओं का विकल्प चुन सकते हैं।

  Farmers can opt practices like mulching, weed control, intercultural operations etc.
- सुबबुल, सीमारूबा, कैसुरीना और नीलगिरी के साथ वनीकरण को प्रोत्साहित करें।

  Encourage afforestation with Subabul, Seemaruba, Casurina and Eucalyptus.
- गुणवत्तापूर्ण चारा और पशु शिविरों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

  Ensure availability of quality fodder and cattle camps.
- चूसने वाले कीटों के नियंत्रण का ध्यान रखें, IPM से कीट और कीट प्रकोप को नियंत्रित/न्यूनतम करें।

  Take care of controlling of sucking pests; control/minimize the insect and pest incidence with IPM.
- किसानों को फसल बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित करें चाहे वे कर्जदार हों या नहीं।

  Encourage the farmers to have crop insurance irrespective of whether they are indebted or not.
- शुष्क अवधि के दौरान नाइट्रोजन उर्वरकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों का पर्ण छिड़काव सूखे की स्थिति में फसल की सहनशक्ति की रक्षा और सुधार करता है।

Foliar spray of nitrogen fertilizers and micronutrients during the dry spell protects and improves the endurance of crop to the drought conditions.

- कपास जैसी चौड़ी पंक्ति वाली फसलों में स्किप रो सिंचाई को अपनाएं।

  Adopt skip row irrigation in wide row crops like cotton.
- मिट्टी से नमी के वाष्पोत्सर्जन के नुकसान को कम करने के लिए पौधों की संख्या को कम करें।

  Reduce plant population to minimize transpiration loss of moisture from soil.
- काओलिन (6%), सायकोसेल (0.03%), फेनिल मर्क्यूरिक एसिड (पीएमए) जैसे एंटीट्रांसपिरेंट्स का छिड़काव जहां कहीं आवश्यक हो।

  Spray of antitranspirants like Kaolin (6%), Cycocel (0.03%), Phenyl Mercuric Acid (PMA) wherever required.
- उर्वरक की मात्रा कम की जा सकती है या इसके उपयोग में देरी हो सकती है।

  Doses of fertilizer may be reduced or its application may be delayed.
- पानी और ऊपरी मिट्टी के अपवाह के नुकसान को रोकने के लिए खेत को समतल करें, मेढ़ बाँधें, खाई बनाएँ, सीढ़ीदार बनाएँ और परती जुताई जैसी संस्थाएं प्रथाएं अपनाएं ।

  Insitu practices like field leveling, bunding, trenching, terracing and fallow ploughing to arrest runoff losses of water and top soil.

न करने योग्य Don’ts

- उच्च पानी की आवश्यकता वाले बीजों/फसलों का उपयोग न करें; सुबह के समय फसलों की सिंचाई न करें।

  Do not use high water requiring seeds / crops; don’t irrigate crops during morning hours.

&&*